आशा

21-8-97 से
27-8-97 तालापारा

आशा अभियान कार्यकर्ता
नाम { अजय कुमार कश्यप
तालापारा संजय नगर
कक्षा → 10वी बिलासपुर (म. प्र.)
पिन. कि 495001

मूल्यांकन पत्र

हायापन | मूल्यांकन पत्र

दिनाँक 26/6/97

जीवन विद्या शिविर

(1) जीवन विद्या शिविर हमारे लिए बहुत ही उपयोगी है

(2) मनुष्य को सबसे पहले अपने आप को समझना जानना, पहचाना फिर मानना इसके पहले किसी को मालूम नही था कि हमें जीने के लिए क्या क्या चीज जरुरी है इस विद्या से अब ज्ञात हुआ

(3) पहले किसी को बिना समझे या बिना जाने मान लेते थे और रुपये पैसे को सबसे ज्यादा प्राथमिकता देते थे पर जीवन विद्या शिविर से यह सिखने को मिला कि इस जीवन में रुपया ही सब कुछ नही है

(4) जीवन विद्या के पहले मेरा विचार इन सब चीजों में पुरी तरह नही लग पाता था जीवन विद्या शिविर में आने के बाद मेरा विचार में पुर्ण परिवर्तन आया

(5) हर मनुष्य को परिवार समाज प्रकृति ~~और~~ और अस्तित्व के साथ मिल जुलकर रहना चाहिए

(6) परिवार और मित्रों के साथ में जिवन विद्या के विषय में चर्चा किया तो मुझे समझ में आया कि लोगो में अपने उपर पुर्ण विश्वास नही है।

(7) भविश्य में मै इस जिवन विद्या के साथ अपना मै चलूंगा और दोस्तो के बीच –

P.T.O.

जीवन विद्या से मैं जो सिखा उसके विषय में
मैं बात-चीत करुगा

(8) पहले मेरा काम करने का ढंग कुछ अलग था और अब जीवन विद्या शीविर के बाद मैं कुछ अलग तरीके से मेरा काम करुगा जिसमे जीवन विद्या शीविर की बात को लेकर मैं काम करुंगा।

(9) यह शीविर हर जगह होना चाहिए जहां हर मनुष्य का एक समाज होता है

नाम रविकुमार पाटनवार
(ग्राम - बिटकुला)
संजय नगर तालापारा
बिलासपुर (म॰ प्र॰)

(1) हमारे जीवन में

26/6/97

जीवन विद्या शिविर

जीवन विद्या शिविर उपयोगी लगा
हमें हमारे जीवन के प्रति समाज के प्रति, परिवार के प्रति स्पष्ट में निरंतर अपयोग में आने वाली प्रकृति और अस्तित्व में जितने भी वस्तु हैं समझ में आई

अस्तित्व में जितने भी वस्तु को पहले से समझे थे उसकी पुष्टि हुई

विचारों में परिवर्तन हुआ, आज जो भी चर्चा (के विचार मानव जीवन के प्रति था समाज के प्रति परिवार के प्रति प्रकृति अस्तित्व के प्रति जो पहले विचार था उसमें परिवर्तन हुआ।

हमारे व्यवहार में परिवर्तन हुआ जीवन के प्रति विचार अनुभव में परिवर्तन हुआ जैसे सम्बन्धों की पहचान, मूल्यों का निर्वाह आदि

परिवार और मित्र के घर चर्चा किए जो हमारे जीवन में, हमें जो चीजें (कार्य) वास्तव में करना चाहिए उसे छोड़कर हम दूसरे रास्ते पर चले जाते हैं, जो हमें करना चाहिए उसे हम नहीं करते, विपरीत चलते हैं

जीवन विद्या के बारे में परिवार और मित्र से चर्चा किए उसका परिणाम अच्छा रहा।

भविष्य की योजना स्पष्ट हुई तो उन्नति होगा, प्रगति होगा, खुशी होगा

इसमें हमारे सहयोगी मित्र होंगे हमारा शरीर होगा अगर योजना स्पष्ट हुई तो वह पर- -काम (शिविर) करना चाहिए।

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

वर्तमान के कार्य व्यवहार में इस शिविर का अच्छा प्रभाव पड़ेगा अभी हम लोग जो कार्य कर रहे हैं इसके लिए जीवन विद्या शिविर का समाज के उत्थान के लिए बहुत अच्छा प्रभाव रहा।

यह शिविर समाज सेवा के प्रति देश के प्रति गांव के प्रति होना चाहिए.

यह शिविर जहां पर असामाजिक तत्व हैं वहां पर होना चाहिए

वर्तमान पता

रमा शंकर खरसेना

योग्यता - मैट्रिक (11)

अभियान आशा कार्यकर्ता शंकर नगर - बिलासपुर (म.प्र.)

गांव का पता - रमा शंकर खरसेना

ग्राम - कुकगाडीह (पामगढ़)

पो०आ० - पामगढ़, पिन 4-9-5-449

जिला - बिलासपुर म.प्र.

जीवन विद्या शिविर

(1) जीवन विद्या शिविर बहुत उपयोगी लगा

(2) ~~जीवन विद्या शिविर~~ से समाज मे रह कर ~~क~~ मनुष्य अपने शरीर और जीव के बारे मे समझ नही थी वह अब समझ मे आ गया जीवन विद्या शिविर से जीवन-शरीर मे, शरीर परिवार, समाज मे, समाज-प्रकृति मे, प्रकृति-अस्तित्व मे मिलकर बना है

(3) पेड़ पौधे, हवा, पानी, चट्टान, मिट्टी, मानव, शरीर इनके बारे मे पहले समझ थी लेकिन समझ मे ठीक नही आई थी इसकी खुशी हुई।

(4) विचारो मे यह परिवर्तन हुआ कि हम समाज मे रह कर सही जीवन जीना सीखें।

(5) व्यवहार मे परिवर्तन जैसे- बोलना सिखा।

(6) परिवार और मित्रों से घर जाकर चर्चा किया उसका परिणाम अच्छा हुआ।

(7) भविष्य की योजना यह है कि हम स्वयं मे श्रम के ~~क~~ द्वारा अधिक उत्पादन करें, इसमे हमारे सहयोगी हमारे परिवार है (अधिक उत्पादन कर अधिक लाभ)

(8) वर्तमान के कार्य व्यवहार में इस शिविर का अच्छा प्रभाव पड़ेगा समाज, मे रह कर भाई चारा की भावना, और अच्छे समाज मे रहकर जीना सीखें

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

7) यह शिविर, स्कूलों, में गांवों में, समाज, में मित्रों में आदि होना चाहिए।

दुर्योधन साहू
आशा अभियान लालाबारा बिलासपुर
बी-कॉम III
दुर्योधन साहू
साहूपारा नीगांव लोरमी
पो- लोरमी
जिला- बिलासपुर
(म.प्र)

दिनांक 26/11/17

जीवन विद्या शिविर

जिवन विद्या शिविर हम लोगो के लिये बहुत ही उपयोगी रहा और हर बार इस तरह की नई-नई बात जानने को मिलता रहे। हम लोगो को नई ढंग से अपनी सलाह लेकर नई तरिका जीने के लिये मिला हम लोग अपनी जिने का ढंग नई तरिका से नही सिखे थे. अब हमें इस जिवन विधा शिविर मे मिला है। हमारा विचार अब बदल गया और हम जिस समाज मे रहते है उसको सुधारने की कोशिश करेंगे। व्यवहार मे भी परिवर्तन हुआ हम अपने से बड़ो को सम्मान से उनके लिये. उनसे सम्मान से बात करे हमेशा नम्रता से बात करे बड़े या छोटे होयाउसके प्रति। परिवार और मित्रो से मैं इस जीवन विधा शिविर के बारे मे चर्चा किया तो उनको नई-नई जानकारियाँ मिली और समाज, मे भी परिवार को भी एक अच्छी जिवनदान दिलाने की हमारी कोशिश रहेगा। भविष्य मे हम अपने कार्य को धैर्य, निष्ठा और सम्मान से कार्य करना चाहते है। और इसका सा' भागी हमारी ईमानदारी, लक्ष्य को पुरा करना है और साथ-ही साथ लगन को ही सहयोगी कहलायेगा, पहले से हम अपने आप को बहुत कुछ सुधार पायेंगे और अपने व्यवहार मे भी सुधार आया. इसमे हमको यह जिवन विधा शिविर। स्कूल मे ऐसीजगहो पर होना चाहिये जहाँ इस शिविर का लाभ उठाये और अपने जिवन

हरगांव गांव मे होना चाहिए

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

मे उसको ढालने की कोशिश करे।
और खुद समझने के बाद गाँव, मुहल्ला,
परिवार, समाज मे ऐसी जानकारियाँ
देने से समाज और परिवार सुधार
आयेगा।

प्रेषक
सुरेश कुमार डिम्सेना
आशा अभियान, तालापारा
बिलासपुर,

घर का पता: सुरेश कुमार डिम्सेना
कक्षा, ग्यारहवीं
ग्राम - भुनगाडीह (पाली)
थाना - पाली / तह - कटघोरा
जिला - बिलासपुर (म० प्र०)

Ans.① जीवन विद्या शिविर हमारे लिए उपयोगी है

Ans.② जीवन को सही ढंग से जीने का तरीका समझ में आया।

Ans.③ पहले हम समझते थे विश्वास से बढ़कर कोई चीज नहीं है इस बात की पुष्टि हुई।

Ans.④ ~~विचारों~~ व्यवहारों में इतना परिवर्तन हुआ पहले स्वयं को पहचानो, जानो बाद में दूसरों का मूल्यांकन करो।

Ans.⑤ परिवार और मित्रों से चर्चा करने से पता चला की अभी तक कोई पूर्णतः मानव नहीं है उनसे इस विषय पर चर्चा करने से, वह तैयार है कि यह बहोत महत्वपूर्ण है [हम अभी तक अपने को समझ नहीं पाये]

Ans.⑥ ~~व्यवहार~~ विचारों में परिवर्तन यह हुआ की पहले स्वयं का मूल्यांकन करो फिर दूसरों के विचारों को पहचानो, या अपने विचारों से अवगत कराओ।

Ans.⑦ भविष्य में इस योजना को अपने स्वयं के जीवन में, परिवार, मित्र, साथी के सहयोग से करुंगी। साथ में समय पर आपका मार्गदर्शन चाहूंगी।

Ans ⑧
वर्तमान में हम अपने कार्य के प्रति
ईमानदार, निष्ठा पूर्ण, सत्यता को अमल
करूंगी। मेरा इस पर बहोत अच्छा लगा।
इसके पहले हमें सिर्फ किताबी ज्ञान था।

Ans ⑨ यह शिविर प्रत्येक गांव, शहर, स्कूल, जो
उन लोगों के साथ को जहाँ तक छोटी-छोटी
बातों को नहीं मानते मेहनत ज्यादा करते हैं उसका
फल अच्छा नहीं मिलता।
मैं स्वयं अब अपने जीवन और
शरीर के साथ जीने का प्रयास करूंगी।

—— x ——

शैलजा मिश्रा
एम० ए० (समाज शास्त्र)
आशा अभियानकार्यकर्ता
तालापारा बिलासपुर
(म ०प्र०)

शैलजा मिश्रा
c/o रमा शंकर मिश्रा
गोवर्धन राईस मिल के पीछे
गोड़पारा बिलासपुर
(म० प्र०) पिन। 495001

1 जीवन विद्या शिविर हमारे ~~बहुत~~ जीवन के लिए बहुत ही उपयोगी ~~सम~~ ~~इने~~ के बाद लगा

2 हमें साधन के रूप में जो वस्तु नहीं समझे थे जो रोटी, कपड़ा और मकान दूरसंचार, दूरदर्शन, दूरगमन

3 पहले जो चीज समझते थे वो ~~चीज~~ गलत है

4 विचारों में परिवर्तन हुआ हम सबको एक ही वस्तु की जरूरत है रोटी, कपड़ा और मकान

5 व्यवहार में परिवर्तन सबसे मिल जुल कर रहना

6 परिवार और मित्रों ~~के~~ घर में जीवन विद्या में अपने सुख तो परिवार में ही मिलता है

7 भविष्य के ~~योजन~~ में हमें ~~अपन~~ अपने परिवार में रहकर ही सुख प्राप्त होता है तो हमें परिवार ही रहना चाहिए

8 वर्तमान में कार्य व्यवहार में इस शिविर का कोई अच्छा प्रभाव पड़ेगा लोगों में एक अच्छी जीवन जीने का विद्या प्राप्त हुआ

9 यह शिविर सभी जगह होना चाहिए

शेख नसीर

शेखनसीर

संजयनगर तालापारा

बिलासपुर (म०प्र०)

पिन. 495001

जीवन विद्या शिविर

1, जीवन विद्या शिविर उपयोगी लगा
2 जीवन विद्या शिविर में ये सारी बात समझ में आई
की एक सही जिन्दगी सुखी जिन्दगी जीने की
समाज मे परिवार मे एक विश्वाश पाकर
अच्छा समाज सेवा कर सही समझ और अच्छा
जीवन जिने की समझ आई
3, हमको समझ थी की पैसा ही सब कुछ नहीं है
जीवन विद्या शिविर मे पुष्टि हुई की वास्तव मे
पैसा ही सब कुछ नहीं है ये बाते सही है।
4, जीवन विद्या शिविर मे विचारों मे अन्तर आया
जैसे हम स्वयं सेवक के समाज का सेवा एवं
अच्छी समाज की स्थापना करने के लिए स्वंय
पर विश्वाश और समर आ जाता. सही परिवर्तन हुआ।
5 व्यवहार मे परिवर्तन हुआ परिवार समाज में
मान सम्मान पाने का सही समाज सेवा करने का
से
6 हमने अपने परिवार मित्र और बुजुर्गों में
जीवन विद्या के संबंध मे चर्चा की
7 भविष्य मे मेरे गांव जयरामनगर मे
जीवन विद्या शिविर लगाने की योजना है।
इस शिविर मे गांव के युवकों की सहयोग
है
8, शिविर का वर्तमान कार्य पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा।
सुगम एवं कम समय और बिना द्वेष का पुरा होगा।
9 जीवन विद्या शिविर गांव गांव में होना चाहिए
शासकीय स्कुलों में भी होना चाहिए
जेल में भी शिविर होना चाहिए

आत्माराम मिश्रा

मु. पोस्ट जयरामनगर थाना मस्तुरी
जिला बिलासपुर (म.प्र.)

जीवन विद्या शिविर

दिनांक
26-6-91

उत्तर

(1) ÷ जीवन विद्या शिविर बहुत अच्छा लगा है। जैसे इस विद्या से ज्ञान प्राप्त हुआ॥

(2) ÷ लक्ष्य, निन्द्रा, भय, के बारे में मालूम नहीथा लेकिन अब तीन बातों के बारे समझ में आगया है॥

(3) ÷ जीवन विद्या शिविर में आने के बाद प्राप्ति हुई है। जैसे ÷ पेड़ पौधा, ईश्वर, अविनाशी, यानी खंड खंड होना॥

(4) ÷ बिचारों में बहुत कुछ परिवर्तन हुआ है। जैसे सत्य, धर्म, न्याय से है॥

(5) ÷ परिवर्तन हुआ॥ जैसे ÷ बोलना, मकान सुख से रहना?॥

(6) ÷ किये कि हर घर जाकर बताना समझाना कि हमें जिन्दगी जीने के लिए हमें क्या क्या करना है॥ ज्ञान समझने के बाद

(7) ÷ मानवीय का योजना से हमें स्पष्ट ये हुआ॥ कि चुनाव संबंधी कैसा चुनाजाता है जैसे ÷ अपने जीवन में क्या क्या करना है।

(8) ÷ नौ दिन आने के बाद हमें व्यवहार के बारे में समझ आया है। कि हमें परिवार, समाज में रहने का तरीका ज्ञात हुआ

(9) ÷ यह शिविर जहाँ पर अनपढ़ हो, ना समझ हो, जिसको बात करने का ढंग मालूम न हो। तथा 40+100 मनुष्य के बीच शिविर हो, ताकि समझ सके।

प्रार्थी

अध्यक्ष गणेश प्रसाद खाण्डेकर
वार्ड नं. 12 तालापारा बि.
महमाया मंदिर
कर्बला मोहल्ला

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

(निवेदन)

मेरे से जो समझ में आया जो आपके समक्ष
प्रस्तुत है सर मैं एक अज्ञानी हूँ सर अगर
सर मेरे ज्ञान में कुछ अवगुण होगा या कोई गलती
होगा उसे आप से निवेदन चाहता हूँ। और
आपका आभारी हूँ सदा के लिये रहूँगा।

Anandlal
26.6.97
Talapar
Bilaspur
M.P. Madhya

जीवन विद्या शिविर

1. जीवन विद्या शिविर हमें बहुत उपयोगी लगा।

2. इस शिविर में हमें यह समझ आया कि सुख प्राप्ति के लिये हमें क्या करना चाहिये। हम अपने जीवन में सुधार लाने के लिये कौन कौन से तरिके अपनाने चाहिये।

3. इस शिविर से हमारे विचारों में बहुत परिवर्तन आया। बहुत सारी बातें हमें सिखने को मिली जो हमारे लिये या ये कहे कि हमारे भविष्य के लिये उपयोगी है। जो विचार हमें इस शिविर से प्राप्त हुए है। उसे हम अपने जीवन में अमल करके अपने जीने के तरिके है उसे बदल सकते है एवं सुख पूर्वक जी सकते है जिससे हमें रोटी कपड़ा मकान एवं अन्य सुविधाओं के अतिरिक्त मान सम्मान एवं लोगों का विश्वास भी मिलेगा जो मानव का सच्चा सुख है।

4. इस शिविर से हमारे व्यवहार में भी काफी परिवर्तन हुआ। हमें लोगों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिये कि उनके विश्वास को पाने के लिये हमें क्या करना चाहिये ये समझ में आया। तथा हमें स्वावलंबी बनने के लिये भी क्या करना चाहिये ये भी हमें पता चला

5. परिवार और मित्रों के साथ भी हमने इस जीवन विद्या शिविर के बारे में चर्चा किये। इस शिविर में हमें जो अच्छी बाते ज्ञान की बातें सिखने को मिली उनका लाभ हमारे परिवार वालों को भी आये, काफी उन्हे भी सिखने का मौका मिला। तथा उन्होंने भी इस शिविर की प्रशंसा की।

~~7. : इस शिविर से हम~~

6 —: हम भविष्य के बारे में यह निर्णय लिये कि ~~हम~~ ~~सभी लोगों का~~ हम सच्चाई के मार्ग पर आगे बढ़ेंगे हम ऐसा कोई भी काम नहीं करेंगे जो किसी और के लिये कष्ट दायक हो जिसमें और हमारे आगे बढ़ने में हमारे सहयोगी परिवार, एवं समाज के लोग ही होंगे। ~~स्वयं~~

7 —: वर्तमान के कार्य व्यवहार में भी इस शिविर का काफी प्रभाव पड़ा। हमारे सोच - विचार एवं कार्य शैली में भी इसका प्रभाव पड़ा।

8 —: कई चीजें ऐसी है जिन्हे हम सही समझते थे लेकिन कुछ हमारी सोच भी गलत थी यह समझ में आया हमें।

9 —: यह शिविर बहुत ही उपयोगी है यह शिविर सभी जगह चलनी चाहिये ताकि लोगों को भी इसका ज्ञान हो सभी लोग इस शिविर से लाभ मिलता रहे। इस शिविर का सभी लोग ज्यादा से ज्यादा लाभ उठा सके।

=—=

① कु. भावना सोनी
बी. ए. III
C/o श्री सुरेन्द्र सोनी
मिलन चौक (कुदुदण्ड)
बिलासपुर (छ.ग.)

② भावना सोनी
साक्षरता सदन झुग्गी
नाका बिलासपुर
(छ.ग.)

जीवन विद्या

मानव केन्द्रित अस्तित्व का आधार है

~~मानव से~~ ~~[illegible]~~ [illegible]

मानव का गठन = शरीर + जीवन

शरीर → ~~[illegible]~~ is base on Chemical Composition

where जीवन jivan ~~represents~~ The Thought and work of human being

मानव → मनाकार को साकार करने वाला

जीवन ~~[illegible]~~ से अपेक्षा होती है

1. सुख
2. शांति
3. संतोष
4. आनन्द

मानव से अपेक्षा →

1. समाधान
2. समृद्धि
3. अभय
4. ~~[illegible]~~ सहअस्तित्व

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

जीवन ⇒ ~~कल्पना~~ शक्ति का आधार है
कल्पनाशीलता और कर्मस्वतन्त्रता

⇒ जीवन लगातार कल्पना करने में सक्षम है
⇒ ऐसी कल्पनायें जो साकार हो सकते हैं
उन्हें कर्म स्वतन्त्रता कहते हैं।

⇒ विचार और कल्पना के आधार पर ही
हर व्यक्ति शरीर को संचालित करता है।

जीवन में पाँच अक्षय बल और
पाँचों अक्षय शक्तियां हैं–

अक्षय शक्तियां	क्रिया	अक्षय बल	क्रिया
आशा	चयन	मन	आस्वादन क्रिया
विचार	विश्लेषण	वृत्ति	तुलन
इच्छा	इच्छा-चित्रण	चित्त	चित्रण, चिंतन
संकल्प		बुद्धि	
अनुभव		आत्मा	
~~प्रमाण~~			

आस्वादन क्रिया – निरन्तरता नहीं होती

चयन व आस्वादन क्रिया शरीर
को संचालित करते रहते हैं।

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

विश्लेषण - काल, क्रिया, रूप, गुण के आधार पर लिया गया निर्णय

तुलना के 6 आधार हैं

1. प्रिय - अप्रिय
2. हित - अहित
3. ~~लाभ~~ लाभ हानि
4. न्याय - अन्याय
5. धर्म अधर्म
6. सत्य असत्य

Camparison based on Last Three critirion is more durable in nature

चिंतन ⇒ प्रयोजन की पहचान को चिंतन कहते हैं

समाधान
समृद्धि
अभय
सह अस्तित्व
} मनुष्य के प्रयोजन हैं।

मनुष्य के चार बोध हैं
(1) प्रयोजन (2) न्याय (3) धर्म (4) सत्य

समाज के सन्तुलन के लिये व्यक्ति
लिये व्यक्तिक को निम्न कार्यों
से संलग्न होना चाहिये
(1) व्यवहार
(2) स्वनारी / स्वपुरुष
(3) दयापूर्ण कार्य

⇒ मनुष्य बौद्धिक नियमों* के पालन से
सुखी होता है।
* (1) असंग्रह
(2) स्नेह
(3) विद्या
(4) सरलता
(5) अभय

न्याय — मानव ~~मानव~~ के सम्बन्ध
पर आधारित होता है

following ~~four~~ steps leads to justice
(1) सम्बन्धों की पहचान
(2) मूल्यों का निर्वाह
(3) मूल्यांकन
(4) उभय तृप्ति

धर्म — पूर्णता की अवधारणा को
धर्म कहते हैं

5

सत्य → अस्तित्व के प्रकाशित होने को सत्य कहते हैं

संकल्प → स्वयं को निपतित करने को संकल्प कहते है

Kartikey Kr Singh
Materials Officer
Malvika Steel Ltd

'जीवनविद्या शिविर'

मानवपरिवार ~~[illegible]~~, आजतक अपनाए हुए भय और प्रलोभन के आधार पर समझौतावादी विवशता से पीड़ीत व प्रताड़ित रहा है। इसके स्थान पर मूल्य और मूल्यांकन विधि से व्यवस्था को समीकृत करने की आवश्यकता है। ऐसे सर्वशुभकामना से मध्यस्थ दर्शन के प्रणेता श्री ए.नागराज जी, श्री राजेश्वर सिंह जी, कार्यकारी अध्यक्ष, मालविका स्टील के सम्मुख प्रस्ताव रखे। इस पर आरंभिक चर्चा और विश्लेषण के बाद श्री राजेश्वर सिंह ने इसे मालविका स्टील प्रौद्योगिकी परिवार के लिये उपयोगी और आवश्यक समझा। इसी आधार पर यह जीवनविद्या अध्ययन शिविर 3 जनवरी 96 से 10 जनवरी 96 तक निश्चित हुआ है।

जीवनविद्या, मध्यस्थ दर्शन (सह-अस्तित्ववाद) पर आधारित है। यह अस्तित्व मूलक मानव केन्द्रित चिन्तन है। यह भौतिकवादी और आदर्शवादी विचारों से उत्पन्न अनगिनत समस्याओं का समधान है।

'जीवन विद्या' शिविर में अध्ययन करने के लिये मुख्य मुद्दे निम्न रहेगे :-

(i) मानव, अस्तित्व मे अविभाज्य है।
(ii) अस्तित्व स्वयं सह-अस्तित्व और शाश्वत व्यवस्था है।
(iii) अस्तित्व में नित्य विकास, जागृति और रासायनिक-भौतिक रचना-विरचना होते हैं।
(iv) अस्तित्व मे व्यवस्था की मूल इकाई परमाणु है।
(v) अस्तित्व चार अवस्थाओं के रूप मे दृष्टव्य है यथा- पदार्थ, प्राण, जीव व ज्ञान अवस्था।
(vi) ज्ञान अवस्था की प्रत्येक इकाई (मानव); जीवन और शरीर का संयुक्त का संयुक्त साकार रूप है। मानव ही अस्तित्व मे दृष्टा पद मे है।
(vii) जीवन अमर है। शरीर, जीवन के संचालन के लिए साधन है।
(viii) जीवन, मूलतः एक गठनपूर्ण परमाणु है जो अक्षयबल, अक्षय शक्ति सम्पन्न है।
(ix) जीवन भ्रमित रहते पर्यन्त शरीर को जीवन मानता है - फलस्वरूप सम्पूर्ण प्रकार की गलती करता है।
(x) जीवन सहज अपेक्षा सुख, शांति, संतोष, आनन्द है। मानव सहज अपेक्षा समाधान, समृद्धि, अभय व सह-अस्तित्व है। मानव, नियम, न्याय, धर्म और सत्य मे जागृत होने के उपरान्त यह सफल होता है।
(xi) मानव जीवन जागृतिपूर्वक मूल्य और मूल्यांकन करने मे समर्थ होता है फलस्वरूप परिवार, समाज और व्यवस्था मे सार्थक होता है। सार्थक परंपरा के भूमिका को निर्वाह करता है।

- इसे अध्ययन करने के लिये हम, जीवनविद्या परिवार आवाहित करते हैं।

संयोजक
मालविका स्टील प्रौद्योगिकी परिवार
व जीवन विद्या परिवार

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

आशा

जीवन विद्या शिविर - 15/5/97 - 21.5.97
प्रशिक्षण केन्द्र डूमरकछार, तह- कटघोरा, ब्लाक- पाली
जिला बिलासपुर. जोन - ..

1. बहुरन सिंह राज - खैरहापारा :- 4 आयाम, सम्बन्ध, अस्तित्व, सभी समझ में आया है, जीवन शक्तियाँ!

2. अरखी विश्वकर्मा - पाली - अक्षय बल-शक्ति, न्याय, 5 कोटि मानव, अस्तित्व।

3. रामामिलन यादव पाली - जीवन एक गठनपूर्ण परमाणु, सभी लक्ष्य समझ एवं सभी का समझाइश।

4. देवलाल डिकसेना केराझरिया - 4 आयाम का सही तरीका समझा। अपने जीवन में उतार सकते हैं।

5. ओमप्रकाश .. - मुड़गाडीह - मानना-जानना-पहचानना निर्वाह करना समझा, जीवन का जकड़ना, परिवार एवं कार्यस्थल में डालेंगे। सफलता मिलने का विश्वास है।

6. राजकुमारी [illegible] - पहली बार आज आई।

7. अरुण कुमार पाण्डे - पहली कक्षा में आया, ऐसा लगा, मेरा लक्ष्य सम्पूर्ण आया। चिंतन की दिशा मिला, इसकी निरंतरता की कामना है।

8. मनीष विनायक - धमसाही - जीवन का लक्ष्य [illegible] पता चला [illegible] व्यवहार में उतारने का प्रयास करेंगे। मूल्य व जीवन सम्बन्ध को अमल करने का प्रयास करेंगे। [illegible], पूरी तरह स्वीकार होगा।

9. विनोद कौशिक देवीकला - जीवन क्या है पता चला, अभी तक अंधकार में भटक रहे थे। जीवन की सच्चाई समझ में आयी इसी से दूर थे हम।

9. कमल किशोर जायसवाल - धमसाही - अक्षयबल-शक्ति को और समझना है। ईश्वर ही ऊर्जा है।

10. प्रदीप पाण्डे - समझदारी क्या है पता चला। सत्ता शून्य है। परमाणु में जीवन का होना अच्छा लगा। नाम समझदारी नहीं है, वस्तु समझना। [illegible] को पूरा नहीं समझा। Explaining power आयी है। मानव, मानवीयता समझ में आया।

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

कौशल्या यादव : -

11 वाणी :- शिविर के द्वारा अभिकार [illegible]) जीवन को अनुभव, संबंध का मूल्यांकन की विधि का [illegible] मिलन प्रमाणित करती है। [illegible] समाधान । [illegible] के विश्वास ।

12 शीतल — अस्तित्व, जीवन, लक्ष्य के बारे में ।

13 विजय लक्ष्मी - जीवन लक्ष्य, जानना, मानना, पहचानना, निर्वाह करना, गंभीरता से जानने की बात । [illegible] विचार शैली के बाद परिवर्तन आ सकता है।

14 उमाकिरण - अपनी जिम्मेदारी को समझी, सभी अच्छा लगा ।

15 मनोरंजिता — जीवन को रिश्तों में समझी, आचरण, विचार में लक्ष्य करना । सफलता मिलेगी ।

खोले शिविर 8 से 14 अक्टूबर 08 10 से 12 3-3

1 सुनासिंह (7) जीवन, परिवार, मे अच्छा लगा। तालमेल संगठन शिविर आगे आयोजित करेंगे। कार्यक्रम करेंगे।

2. शत्रुघ्न - (5) - जीवन अच्छा लगा। तालमेल में रहना है। ज… आगे शिविर होना चाहिए।

3. रघुनाथराज मंडल (फुलवारी कला) (3) - स्वयं में जीना, शरीर, परिवार, समाज, प्रकृति अच्छा लगा, जानकर मानेंगे। परिवर्तन हुआ है।

(4) राधेसिंह पैकरा (7) बहुत अच्छा लगा है। हमारे लिए है। अभी भी पूरा समझ नहीं हूँ। फालतू खर्च में कंट्रोल पाया हूँ। चौरगढ़ शिविर से सुधार शुरू हुआ है इसी से यहाँ आयोजन किया है और शिविर हो। शिविर लेने का मन होता है। … कराते हैं। … जाता है।

(5) माधो प्रसाद मानिकपुरी (फुलवारी कला) 1 - पहले छोड़ा लेकिन दुर्गा … माने थे। अब जानने की इच्छा बनी है। पर कर्म प्रधान कार्यक्रम है।

(6) जीवनलाल धीवर (3) तालमेल से जीना जरूरी है।

(6) मनहरण सिंह पाण्डेय - ठीक से शिविर कर नहीं पाया। अब समझने का मन बना है।

(7) चालीराम यादव (3) ठीक … तालमेल में रहना उचित लगा। और शिविर करेंगे। मानते रहे अब जानेंगे।

(8) कुमारसिंह - (6) : 6 स्तर जीने का।

(9) नन्द दास - प्रथम दिन - अच्छा लगा। हर माह शिविर हो।

(10) हेमन्त सिंह पैकरा (7) - 6 स्तर अच्छा लगा। हर आदमी … इससे सुधार हो सकता है। हर माह शिविर हो। मानव का व्यवहार … तालमेल से … लेंगे।

(11) महेन्द्र सिंह पैकरा (9) ठीक लगा। जीवन अच्छा लगा … बताएँ जरूर … जीवन में … है वह छूटेगा नहीं।

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

12 गौतम दास - 6 दिन ६ स्तर की व्यवस्था अच्छा लगा। हर
बात अच्छा लगा। सुधरेंगे ऐसा लगा।
कराया है। मैं शुरुआत करूंगा क्योंकि मैं मुक्त हूं बाहर

13 तुलसीदास 4 - इतना ज्यादा नहीं समझा। अब लगता
महंत है कि श्रद्धा नहीं कुछ विश्वास बनाते हैं।

14 किशोर सिंह कैरा - 7 जीने की कला मिला गुरु। और समझना
चाहते हैं। सभी बात हम करना चाहते हैं
इसकी चर्चा करेंगे। और शिविर करेंगे।

15 प्र. श्याम सुन्दर रत्नाकर - डोंगिया गांव एक परिवार में
तरह चल निकला है

16 गुलाब नाकेतन राम डोंगामाला - (4) 6 स्तर की व्यवस्था
सरपंच
जनता अपने में रखने पर बात नहीं बनेगी। अपने
भी गांव में शुरू किया जाएगा। जो भी सर्वश्रेष्ठ
है। शुरुआत करेंगे। हमारे पंचायत में भी हो।

17 गुलाब दास महंत - अच्छा लगा। ऐसा लगा कल ही एक
उजाला। भगवान और ईश्वर में अंतर
जाना। अपने जिम्मेदारी का ज्ञान हुआ।
अस्तित्व को पहचानने की इच्छा होती है।
शिविर एक बार और हो। अधिक लोग समझेंगे
तो सरल होगा।

18 ईश्वरदास महंत (2) अच्छा लगा। तालमेल
ठीक लगा।

(19) श्री रामेश्वर जायसवाल - जीवन विद्या नीति ठीक है।

जीवन - विद्या.

जीवन विद्या अध्ययन से एक नये प्रकार की शांति ~~मनुष्य~~ मुझे अनुभव होती है जो कि अब तक किसी भी धर्म ग्रन्थो में उतनी सच्चाई तथा सत्य के निकट समस्या का समाधान नहीं हुआ है। इस विद्या से हमें मनुष्य का क्या लक्ष्य है तथा वर्तमान में कैसे अनुभव किया जाता है उसको बहुत ही सरल रूप से बताया गया है। इन कुछ दिनों की वार्तालाप से हमारे उपर जो भ्रम का बादल छाया हुआ था वह किसी हद तक दूर हुआ है तथा आशा है कि और थोडी प्रयास के बाद मैं समझ सकूंगा कि मेरा क्या लक्ष्य है तथा मैं किस दिशा की ओर जा रहा हूँ और किस दिशा कि ओर जाना है। इस ज्ञान से पता चला कि सारी प्रकृति क्रिया के रूप में है। अभी तक मैं सम्बन्धो को नहीं पहचानता था मूल्यांकन करने को कभी सोचा भी नहीं था, बिना कुछ जाने एक गलत दिशा की ओर जा रहा था, इस विद्या से ज्ञान हो रहा है कि मूल्यों का निर्वाह कैसे किया जाता है।

मुझे ~~की~~ और कोशिश करता है कि मेरी जो दिन चर्या कि विधि तथा पूजा-पाठ की जरूरते थी वह अब जीवन-विद्या के आधार पर एक नये मोड़ पर खड़ी है। और वह ~~मोड़~~ मोड़ बहुत ही निकट दिखता नजर आ रहा है।

अन्त में मैं बाबा नाग राज जी का कृतज्ञ रहूँगा हमेशा क्योंकि उन्होंने एक नयी शांति दी है तथा साथ ही E.D. साहब श्री राजेश्वर सिंह जी को भी धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने ऐसे महा पुरुष से मिलवाया: S.S. Lal Manager, Malvika Steel LTD. Jagdishpur

स्वागतलाल महल्ला तालापारा बिलासपुर 24

18 | 6 | 97

आशा अभियान तालापारा. बिलासपुर
भारत ज्ञान विज्ञान समिति

1. गणेश 10 वी
2. शाकिर अली 11 वीं कामर्स आशा
3. रवि पाटनवार 12 वीं राजनीति, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र. ग्राम बिटकुला
4 मनोरंजन मेश्राम 10वीं तालापारा
5. नरेन्द्र कौशिक 12 वी इतिहास, भूगोल, नागरिक सरकंडा
6. सुरेशकुमार डिक्सेना, 11 वीं नागरिकशास्त्र, पाली. (शंकरनगर, बिलासपुर)
7. अशोक कुमार दुबे MA. राजनीति, अर्थ, इतिहास मोपका
8. शंकरलालयादव 10 वीं, मजदूरी.
9. दुर्योधन साहू BCom. तालापारा.
10. संतोषमंगेशकर 8 वी तालापारा संजयनगर
11. धीरेन्द्र केशरवानी 90 से भारत ज्ञान विज्ञान इतिहास MA, समाजशास्त्र, अर्थ.
12 नारायणदिवाकर 2री 20 घरों का अध्यक्ष, राजमिस्त्री,
13 मनहरणलाल यादव BCom II ( )
14 अब्दुल हफीज 10वी आशा. नयासदर पटरीपारी
15. रमाशंकर खरसेना 11वी Arts आशा पाली.
16 भागीरथी चतुर्वेदी. 8वी तालापारा आशा
17. आत्माराम मिश्रा आशा, 9वी जयरामनगर
18 अजयकश्यप 10वी तालापारा
19 प्रीतमसिंह यादव —"— 20 घर का अध्यक्ष PWD.
20. सोहनलाल यादव —"— 10वी सब्जी विक्रेता.
21. शेख नसीर —"— 12 वी Arts Poli, Soci, Geography
22. वंदना रंगारी —"— 10 वी
23. लखन मेश्राम ITI फोनी उपकरण [illegible]. मगरपारा
24. भावना सोनी कुदुदण्ड, आशा, BA इति समाज राजनीति
25 संगीता गोयल टिकरापारा BA II समाज राजनीति गृहविज्ञान
26 रेणुकासिंह ठाकुर आशा कुदुदण्ड
27 सोनबाई तालापारा
28 रामअवतार पाण्डेय बलरामप्रसाद मेडिकल स्टोर्स MA इति., RMP. इले. इलेक्ट्रानिक्स में डिप्लोमा, कम्प्यूटर, आशा
29 गोरेलाल महिलांग, तालापारा मिडीलेल 2री
30. शौकतअली. भारत ज्ञानविज्ञान समिति.
31 शैलजा गोंडपारा, MA Socio Eco, Pol. आशा

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

19 20

-1. नरेन्द्र कौशिक :- ✓
-2 शिव कुमार :- ✓
3. रविपाटनवार :- ✓
4. संगीता ✓
5. शैलजा ✓
6. वन्दना ✓
7. बबीता भांगे ✓
8. शेख नसीर ✓
9. अशोक दुबे ✓
-10 अब्दुल हफीज ✓
-11. दुर्योधन साहू ✓
-12. आत्माराम मिश्रा —
*12 भगतराम दुबे ✓
13. भावना जोशी ✓
*14. आमना ✓
15 मनोरंजन ✓
16. संतोष मंगेश्कर —
17. रामअवतार पाण्डे ✓½
गणेश — ✓

आशा अभियान
चिंगराजपारा

25,26,27

2-6

* जसपाल सिंह
* राजेश भास्कर
सतीश शुक्ला
नीलकंठ शर्मा
सफीरा
विजय वास्कर

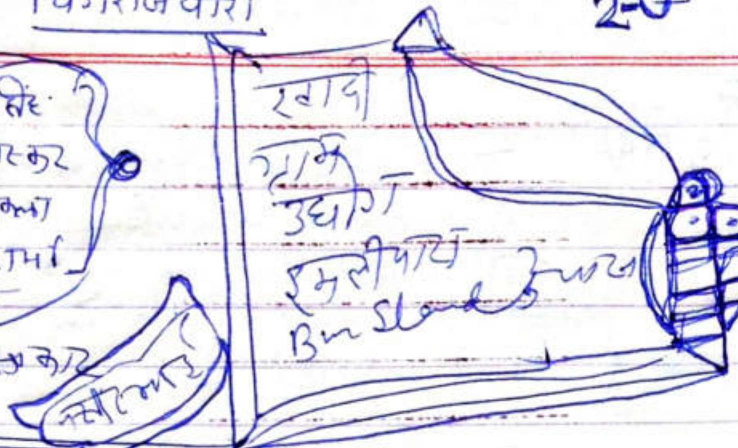

27 | 6 | 97 मूल्यांकन

(1) **मिलन सोनी** – परिवार में एकता से रहेंगे।

(2) वीरेन्द्र सिंह सोलंकी – परिवार, समाज, व्यवस्था को समझें, और समझने का प्रयास, सप्ताह में 1-2 घंटे में बैठेंगे।

(3) सुरेन्द्र प्रजापति :— सम्बन्ध समझ में आया। पैसा [illegible] सम्मान आवश्यक है।

(4) **जसपाल सिंह** :— उन्मादों से मुक्त होने का प्रयास करूंगा, 'व्यक्ति मानव' [illegible] समझा है। अपना [illegible] करेंगे। **जीवन** समझते ही [illegible] होते हैं।

(5) सरोज चौरसिया :— तालमेल रखना आवश्यक है।

(6) सफीरा — जीवन और शरीर में अंतर समझ में आया। पहले उन्मादों को [illegible] और आवश्यक मानती थी अब कम हो जायेगा। अपने जीवन में [illegible] हुआ है।

(7) **दीप्ती दास** :— परिवार में उत्तरदायित्व नहीं करते। परिवार में भी ऐसा ही करते हैं। परिवार में व्यवस्था को करती है। समाज में व्यवस्था समझ में आया। मनुष्य के अस्तित्व में विकास का तरीका समझ में आया।

(8) राजेश भास्कर :— और समझना चाहता हूं। पहले येन केन प्रकारेण [illegible], लेता था, अब ऐसा नहीं करूंगा, समझदारी से जीऊंगा। इच्छा [illegible] कोशिश [illegible]

(9) नीलकंठ शर्मा : शरीर और जीवन में अंतर स्पष्ट हुआ है, व्यवस्था एवं अस्तित्व में तालमेल बनाकर ही [illegible] रहेंगे। परिवार का निर्माण आशा अभियान में करेंगे। उत्पादन इकाई आवश्यक है, उसके बाद ही व्यवस्था के लिए **कार्य**।

(10) सतीश शुक्ला :— जीवन और शरीर में अंतर समझा, शरीर की जरूरत के लिए काम करते हैं। हमेशा [illegible] करते रहते हैं। उसका समाधान [illegible] है।

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

~~संदेश~~

अशोक तिवारी :- मनुष्य ज्ञान अवस्था में दिखता नहीं है,
जानवर सदृश्य जी रहा है।
परिवार नहीं समाज बनाना यह समझ में आया)
व्यवस्था के 5 आयाम पूर्णता लिए है)

1 गाँव तो बनाऊँगा। कुछ अच्छे लोग बने हैं
सही चीज के लिए उत्साह होना जरूरी।

* सभी को अच्छा लगा है, व्यक्त करने के बाद अकेले करेंगे।

बिलासपुर जेल : महिलावार्ड

1
2 * श्यामकुमारी —— महिला प्रहरी
* मुमताज नसीन शिक्षिका बच्चे 12 A
3 *श्रीमति फरहत नसीम महिला प्रहरी 12 A

4	सुमबाई	ठाकुरपारा	बच्चा	
5	2 सुखबाई	सम गाँव	—।—	
6	सत्यभामा	बूढ़ीखार		
7	केजाबाई	बहरहाली		
8	मेला त्रिवेदी	भैसमुड़ी		
9	छेदीन बाई	बहरहा	बच्चा	
2 10	7 शांतिबाई	सारागाव		
11	सुरबती बाई	भाड़ी		
12	प्रभाबाई	बेड़ाकापर		
13	सुरजनी बाई	कुटेरा —		Blind
14	सतबन्तीन	चाँपा		
15	कौशल्या	सारंगढ़		
16	कलिन्दरीबाई	गुड़कू — रिहा 11 की शाम		
17	संतोषी	कोरबा	बच्चा	12 वर्ष
18	कुमारीबाई	धानेरी		5 वी 13 वर्ष
19	सासोबाई	छुइया		
20	अमिताबाई	खरहु	बच्चा	
21	अरुणा	पड़रिया	बच्चा	
22	जीतनबाई	जांजगीर		
23	सरोजकुवंर	पड़रिया		
24	रमाहिलिया	परसेंडी	बच्चा	
25	सुकवाराबाई	ठड़कावहरा		
26	गौरीबाई	खरौद	बच्चा - 2	
27	सुशीला	शक्ति		
28	मथुरा	—।—		
29	शांतिबाई	कोपानावपारा		
30	विधा	कानीपारा		
31	शकुन्तला	कोरबा		
32	बुनुकुंवर	नक्कीखार		13 वर्ष
33	रामती	कसौंदी		13 वर्ष
34	नोनीबाई	खरौद	बच्चा	
35	शैलकुमारी	लोरमी		
36	• रजनी पाठक	बिलासपुर	किरण संस्था	
37	• रजनी सलुजा	—।—	—।—	A 12.13
38	• कविता साहू		—।—	
39	विनय लक्ष्मी राव	—।—	—।—	A 12 13

11 d
1727
97

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

40.. कुशलाबाई (लोरमी) 13.6.97

1. सुशीला :-
2. मेलात्रिवेणी - अपनेको समझने व सबको समझ में आवश्यक / परिवार

3 सुखनी .
4. सुकवारा
5 फुलबाई
6. सुखबाई - अवसर की बात सोचते हैं पहले कहानी सोचते है
7. कुमारीबाई - माता, पतीपत्नी
8- शैलकुमारी - परिवार,
9. शांति - स्वयं नोबार ; [illegible] में परिवर्तन
10 प्रेरणा —

स्वयंसिद्धा

मूल्यांकन

Ph
26256

उर्मिला – सब अच्छा लगा।
– वन्दना – जीने के लिए योजना स्पष्ट नहीं। कुछ भी समझ में नहीं आया। व्यवहार में कोई परिवर्तन नहीं हुआ

मंजुलता – शिविर अच्छा लगा। दूसरों के साथ व्यवहार का तरीका समझा। परिवार में जीने का तरीका समझ में आया। व्यवहार सही करने पर हम सुखी हैं। बड़ा काम करने की योजना है।

शैलपहाड़ी – अच्छा है

यामिनी सिंह – अच्छा लगा।

संतोषी – कल्पना पर शरीर का कोई प्रभाव नहीं, सुख दुःख का प्रभाव का कारण कल्पना, निरंतर जुटना चाहिए।

Bio Science
पूनम – सोचने से परे अर्थ लगा। कुछ-कुछ स्वीकार हुआ कोई कार्य करना चाहिए।

अनिता – अच्छा लगा। सांसारिक जीवन अच्छा लगा जीवन, शरीर अच्छा लगा। आज की वर्तमान की योजना ठीक है।

उषा – अपने पर विश्वास करना बना। पढ़ाई करके कोई काम करेगा।

उर्मिला – ठीक लगा

अंजलि मुकुल मरावी : ७ दिन से नहीं पढ़ाई दूसरा भी लगा। सटीक परिभाषा जमा कर रही हैं।

समीर – निकिता जैना : अपने दिन में मानव बन जाऊँगा।

आशीष –

स्वयं सिद्धा

11 से 17 - 97

11 - वत्सला भाटिया, जबलपुर, महर्षि विद्यालय, हैंडराइटिंग

10. निर्मला यादव - 5वीं

1 उर्मिला

2. मंजूलता शुक्ला - हाउसकीपर इंचार्ज

3 के. उषा. - Class - VII Eng. Maths

4 पूनम सिंह - Political Sc. M. Ph. Eco, Soci.

5 संतोषी दुबे - 10वीं Eng Sanskrit -

6 अनिता खरे - 12th Bio

½ 7. श्रीमति अंजिला शर्मा - Reception MA BEd Eco, So. Police

½ 8 श्रीमति मुकुल मुखर्जी

~~9. श्रीमति हेमलता साहू~~

7. स्वयं में सही/गलत कैसे पहचानें?

6. शांति कैसे

5. न -

4. दूसरे व्यक्ति को सुधारना (शरीर के रहते)

2.

12/6/97

1. मंजू
2. उषा
3. पूनम
4. संतोषी
5. अनिता
½ 6 अंजिला
½ 7 मुकुल
8. निर्मला
9. वन्दना बाजपेयी

date
26/6/97

कुमरी → संगीता गोयल
पता → ~~सम्बाल नगर~~
शिवाजी मार्ग
टिकरापारा मन्नूचौक
बिलासपुर (म. प्र.)

प्रश्न → जीवन विद्या शिविर उपयोगी लगा या नहीं?
उत्तर → जीवन विद्या शिविर हमारे लिए तो बहुत ही उपयोगी लगा।

प्रश्न → कौन सी नई वस्तु समझ में आई जो पहले समझ में नहीं आयी थी?
उत्तर → वनमूला ट्रेंगल → बेडरूम, बाथरूम और किचन।
प्रश्न → कौन सी वस्तु जो पहले से समझे थे उसकी पुष्टि हुई?
उत्तर → स्वधान, स्वनारी, ~~स्वधन~~ दयापूर्ण कार्य करने से मनुष्य सुखी रहता है और पुरस्कार समाज में सम्मान करके दिया जाता है। धरती में पेड़ पौधे से ज्यादा मिट्टी ~~पत्थ~~ पत्थर है पेड़ पौधे और जीव जन्तु सजीव है मिट्टी, पत्थर निर्जीव है
प्रश्न → विचारो में कोई परिवर्तन हुआ? क्या
उत्तर → हाँ मेरे विचारो मे परिवर्तन हुआ है मैंने जो कुछ भी इस शिविर मे सीखी हूँ वह दूसरो को भी सिखाऊंगी और कि मनुष्य में जब तक परिवार मे और समाज में और स्वार्थ व्यवस्था न हो तो मनुष्य सुखी नही रहता है
प्रश्न → वर्तमान के कार्य व्यवहार में इस शिविर का कैसा प्रभाव पड़ेगा?
उत्तर → वर्तमान के कार्य व्यवहार में इस शिविर का बहुत ही अच्छा प्रभाव

पड़ेगा जिसकी तो मै कल्पना भी नही कर सकती कि इसका प्रभाव कितना अच्छा पड़ेगा।

प्रश्न → यह शिविर कहाँ कहाँ होना चाहिए?

उत्तर → इसका शिविर तो हर जगह पर होना चाहिए जैसे हमारे आशा अभियान में तो हुआ ही है और स्कूलो मे कॉलेजो में एवं समाज मे होना चाहिए?

प्रश्न → व्यवहार में कोई परिवर्तन हुआ? क्यु?

उत्तर → हमारे व्यवहार में तो बहुत ही परिवर्तन हुआ है मनुष्य को स्वावलंबी होना चाहिए उत्पादन कार्यो की ओर ध्यान देना चाहिए अपने स्वास्थ्य की ओर ध्यान देना चाहिए

प्रश्न → परिवार और मित्रो से घर जाकर चर्चा किए उसका क्या ~~प्रभाव~~ परिणाम हुआ?

उत्तर → मैं अपने परिवार वालो से चर्चा की तो उन्होने तो बहुत ही खुश हुए और मैं बताई की अपने शिविर वाले सर को ताकि हर किसी के जरूरी

प्रश्न → भविष्य की योजना स्पष्ट हुई तो क्या है इसमे आपके सहयोगी कौन होंगे?

उत्तर → इसमे हमारे सहयोगी समाज और परिवार वाले होंगे?

स्वारी सर SORRY

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

नाम आमना खातुन

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

1) जीवन विद्या शिविर उपयोगी है। और यह मुझे बहुत अच्छा लगा।

2) कम मूल्य है गलत → बेडरूम, बाथरूम, किचन। आँखों से जितना दिखता है। उससे ज्यादा समझ में आता है। सम्बन्धो को पहचान लिया इसका न्याय है। समाधान नही पहचाना तो समस्या। यह मुझे नही मालूम था

(3) स्वधन, स्वनारी स्वपुरुष दयापूर्ण कार्य करने से मनुष्य सुखी रहता है। और पुरुस्कार समाज मे सम्मान करके दिया जाता है।
धरती मे पेड़ पौधे से ज्यादा मिट्टी पत्थर है।
पेड़ पौधे और जीव जन्तु सजीव है।
मिट्टी पत्थर निर्जीव है। इसके बारे में मालूम था।

4) हाँ मेरे विचारो मे परिवर्तन हुआ है। मैं जो कुछ भी इस शिविर मे सीखी हू वह दूसरें को भी सिखाऊगी और समझाऊगी। कि मनुष्य मे जब तक परिवार मे समाज मे और स्वयं मे व्यवस्था ना हो तो मनुष्य सुखी नही रहता है।

6) परिवार और मित्रो से घर जाकर चर्चा मैने नही कि अभी तक लेकिन जब मुझे समय मिलेगा तो मै अवश्य करुगी। मेरे पास समय नहीं होने से नही की थी। आज के बाद कोशिश करुगीं दूसरो को बताने की। जीवन विद्या शिविर अच्छा है।

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

5) ~~ह~~ हमारे व्यवहार में परिवर्तन हुआ है।
मनुष्य को स्वलम्बी होना चाहिए।
उत्पादन कार्यो की ओर ध्यान देना चाहिए।
अपने स्वास्थ्य की ओर ध्यान देना चाहिए।

8) वर्तमान के कार्य-व्यवहार में हमारे शिविर का बहुत अच्छा प्रभाव पड़ेगा। अगर हम इस शिविर के बताए गए ~~र~~ बातो की ओर ध्यान देते। बहुत अच्छा प्रभाव पड़ेगा।

9) यह शिविर स्कूलो, कॉलेज, और समाज के हर क्षेत्र में होना चाहिए। आशा भियान में होना चाहिए।

7) हमारे भविष्य की योजना ~~स्पष्ट~~ स्पष्ट हुई ~~है~~ इसमें हमारे सहयोगी परिवार और समाज के लोग ~~र~~ होगें
हमें स्वालम्बी, होना चाहिए।
सच्चाई ~~3~~ के रास्तो पर चलना चाहिए।
दूसरों को कष्ट नही देना चाहिए।

नाम आमना खातुन
पता > शेख जलील
तारबाहर महल्ली
गोदाम बिलासपुर
(म.प्र)

परीक्षण
२६-६-९७

प्र. जीवन विद्या शिविर उपयोगी लगा या नहीं।
उ. जीवन विद्या शिविर बहुत उपयोगी लगा।

प्र. कौन सी नई वस्तु समझ आई जो पहले समझ में नहीं आयी थी।
उ. ~~[illegible]~~ जैसे न्याय धर्म सत्य → नेउमन, नियम और नियम।

प्र. कौन सी वस्तु जो पहले से समझे थे उसकी पुष्टि हुई
उ. ऐसी कुछ बाते थी जिसके बारे में जानते थे जैसे कि हम एक मनुष्य है व मनुष्य को दूसरे के सुख और दुख में ~~[illegible]~~ होने को जीवन इसके बारे में पहले से समझे थे और इसकी पुष्टि हुई।

प्र. ~~कोई भी~~ विचारो में कोई परिवर्तन हुआ क्या
उ. विचारो में बहुत अच्छेपरिवर्तन हुआ जैसे कि हम किसी भी अपने विचारो को दूसरो समझ कर और सोच विचार कर करे। समाज में इसकर अच्छे विचार सिखा सके

प्र. व्यवहार मे कोई परिवर्तन हुआ क्या
उ. व्यवहार में परिवर्तन हुआ जैसे कि हम किसी से अच्छा व्यवहार करेंगे तो हमें दूसरो से अच्छा ही व्यवहार मिलेगा। अगर हम किसी से बुरा व्यवहार करेंगे तो हमे बुरा ही व्यवहार मिलेगा।

प्र. परिवार और मित्र से घर जाकर चर्चा किए उसका क्या परिणाम हुआ

उ. परिवार और मित्रो के घर जाकर चर्चा करने से हमें अच्छे बाते ही समझ में आई जैसे कि कैसा शिविर होना चाहिये और यह शिविर बहुत अच्छा रहा।

प्र. भविष्य की योजना स्पष्ट हुई तो क्या इसमे आपके सहयोगी कौन होंगे

उ. भविष्य की कैसी योजना का स्पष्ट होना बहुत जरूरी है क्योंकि हम कोई सा काम करते है अपने भविष्य के लिये तो इसको दूसरे लोग सहयोगी होते है

प्र. वर्तमान के कार्य-व्यवहार में इस शिविर का कैसा प्रभाव पड़ेगा।

उ. अभी हम कुछ भी काम करते है जैसे कि अभी आशा अभियान में काम करते है तो इस शिविर से अच्छा प्रभाव पड़ा।

प्र. यह शिविर कहाँ-कहाँ होना चाहिये

उ. यह शिविर हर देश-विदेश में होना चाहिये। और ताकि इस शिविर से लोगो में एकता और प्रेम की भावना जागृति हो सके। यह शिविर से बहुत सी अच्छी बाते सिखने को मिले।

कु. वंदना बेगारी
तालापारा संजय नगर
बिलासपुर (छ.ग.)
आशा अभियान के कार्यकर्ता

निम्न लिखित सवालो के जवाब ।

उ.① जीवन विद्या शिविर मेरे लिये विशेषकर बहुत उपयोगी रहा।

उ.② अभी हमने इसमें जितनी भी ज्ञान की बातो का जानकारी हुआ वह सब नये लगते थे। लेकिन उन्हे जब धिरे-धिरे स्पष्ट किया गया तो ऐसा लगा कि हम इसे जानते है पर इसको समझ नही पाये थे। स्नेह और प्रेम का सही स्पष्टहुआ

उ.③ जीवन व शरीर को पहले हम एक ही स्वरूप में देखते थे लेकिन यहाँ पर हमे पता चला कि जीवन और शरीर का कार्य अलग-अलग है। इस प्रकार से इसकी पुष्टि हुई।

उ.④ ~~हमारे विचारों में~~ परिवर्तन ~~यह~~ हुआ कि पहले हम किसी भी वस्तु के बारे विचार करते थे फिर समझते थे। लेकिन अब हम उस वस्तु को पहले अच्छी तरह समझने की कोशिश या समझते है। फिर उस पर विचार करती हूँ।

उ.⑤ पहले मैं अपने व्यवहार में कुछ कमी महसूस करती थी लेकिन यहाँ पर व्यवहार को इतने अच्छे ढंग से समझाया परिभाषीत किया गया कि मुझमे अब वह कमीयाँ दूर हो गई है।

उ.⑥ परिवार व मित्रो से घर जाकर चर्चा करने पर इसका परिणाम बहुत अच्छा निकला।
घर में पढ़ाई के ऊपर से पापा के साथ मेरा चर्चा हुआ। जिसमें काफी बहस हुआ। मैं यहाँ पर जो सीखी इसका एक उदाहरण प्रस्तुत की कि सब लोग विभिन्न पदो को जैसे डाक्टर व इंजिनियर की उपाधि देते है तो गांधी जी व अन्य महान लोगो की तरह बनने के लिए क्यो नही कहते। अत: ~~जीत मेरी हुई~~ मेरी बाते उन्हे अच्छी लगी।

उ.⑦ भविष्य की योजना स्पष्ट हुई तो इसमे मैं स्वंय सहयोगी होंगी।

देखा
26-6-97

जीवन विद्या शिविर

उ०> जीवन विद्या शिविर मेरे जीवन के प्रभाव पड़ा और कुछ चेतना बढ़ गई और उपयोगी लगा

*> जीवन - शरीर मे
शरीर - परिवार मे
परिवार - समाज मे
समाज - प्रकिती मे
प्रकिती - अस्तित्व मे
जो पहले समझ मे नहीं आया था

*> पेड़ पौधे सुर्य चंद्रमा हवा पानी ये सभी को जानते थे और कुछ का पुष्टि नहीं हुआ था
अब समझ गये,

*> विचार में कई प्रकार का परिवर्तन हुआ सोचने और विचार करने और परिवार में अपने मित्र से बात करने में समाज में कुछ पहले से बहुत परिवर्तन हुआ है

*> व्यवहार मे अनेक प्रकार का परिवर्तन हुआ है छोटा से बात कैसे करना बड़ा से बात करना अपने मित्रो से अपने परिवार मे

*> परिवार और मित्रो से जाकर चर्चा किया तो और कुछ पुछे और बताये गये जीवन विद्या के बारे मे तो वह बहुत सुरत होने लगे और विचार करने लगे। हमको और कुछ बताओ।

*> भविष्य की योजना स्पष्ट तो और इसमे सहयोग अतिजय का योजना यह है कि हम स्वंय

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

उत्पादन करेंगे और श्रम से ही काम करेंगे
आपके भविष्य की योजना हम संपन्न करेंगे

*→ मैं कार पेन्टर हूँ और मेरे काम में बहुत प्रभाव पड़ेगा, जैसे ग्राहक से बात चित के काम करने में
→ वर्तमान के कार्य करने में का इस शिविर के
• जीवन और समाज में बताये गये प्रभाव पड़ा

*→ यह शिविर स्कूल में गांव में समाज में खेल घर में आशा अभियान से यह शिविर चलना चाहिए,

भगत राम दर्दी
ग्राम व पोस्ट मोपका
जिला बिलासपुर (म.प्र.

उ० (8) वर्तमान में आशा अभियान के कार्य-व्यवहार में इस शिविर का अच्छा प्रभाव पड़ेगा। क्योंकि इसके पहले हमें किताबी बातों का ज्ञान था जो किसी काम का नही लगता था। लेकिन हमे ऐसा महसूस होता है कि हम समझदार तो हो गये है अब इसे दूसरो को समझाकर और समझदार हो जायेगें। और यह समझदारी ~~[illegible]~~ हर स्थान पर हमारे काम आयेगा।

उ० (9) यह शिविर प्रत्येक गाँव व शहरी क्षेत्रो, कस्बो मे होना चाहिए। देश के हर कोने-कोने में होना चाहिए। ~~[illegible]~~ शहरी क्षेत्र में इस शिविर का विशेष महत्व है क्योंकि यहाँ पर डिग्री हासिल किये हुये पढ़े-लिखे बहुत अधिक हैं लेकिन समझदार बहुत कम है।
~~जैसे 1 + 1 = 2 और 1 + 1 = 2 होता है यह सबको पता है लेकिन 1 और 1 ग्यारह भी होता है यह ध्यान नही~~
~~है।~~

नाम - डॉ० कु० बबीता भार्गो
डी/ओ एस० आर० भार्गो
राजेन्द्र नगर शर्मा टेन्ट हाऊस के पास
बिलासपुर (म०प्र०) पिन नं.-495001
फोन नं० - 6760

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

जीवन विद्या शिविर

(1) जीवन विद्या शिविर मनुष्यों के जीवन के लिए बहुत जरूरी है।

(2) इस जीवन विद्या शिविर पहले दुसरे के लिए लोग जीते थे जब कि उसके पास उसका कोई आधार नही थाँ। अब हमें यह समझ में आ गया कि जब मैं ~~सुख से हु~~ अनुभव करके जी रहाँ हुँ तभी मैं दुसरे को अनुभव दे सकता हुँ। और समाज मे फैले हुए बुराई, अत्याचार, ~~[illegible]~~ हटाया जा सकता है। इस शिविर से यह बात हमें समझ मे आई है।

(3) पहले था, कि मैं समाज सेवा कर रहा हुँ। और एक लक्ष्य बना कर चल रहा थाँ। अब उसमें पुष्टि एक नयी सहारे से उत्पन्न हुए हैं।

• ~~विचारो में कोई परिवर्तन~~

(4) विचारो मे परिवर्तन बहुत अच्छे रूप से हुआ है। इसकी कल्पना मैं खुद कर चुका हुँ। और आने वाला समय भी इसकी कल्पना करते रहेगा।

(5) व्यवहार में परिवर्तन अच्छा ही आया क्योंकि मुझे मेरे दोस्त पुछते थे, कि तुम सुबह 8-बजे से लेकर 1 बजे तक इस स्कुल क्या करने जाते हो। मैं उनको जीवन विद्या शिवीर से कुछ बाते है। जिनका मनुष्य जीवन में बहुत जरूरी है। फिर मैं यही कि बात बताता गया, तो परिवर्तन यह हुआ कि वे लोग मेरा हंसी उड़ाते थे। वे आज मेरी बताये हुए बातों पर सोचते है। और समझते हैं कि ये कितना महत्व पुर्ण बाते हैं।

(६)• परिवार और मित्रो से घर जाकर चर्चा के दौरान
उनके तरफ से, प्रेम से भरा सम्मान जो मुझे पहली
बार थोड़ा मिला है।

(७)• भविष्य की योजना स्पष्ट हुई? तो इसमें
सहयोगी जीवन विद्या शिवीर का महत्वपुर्ण
सहयोगी है।

(८)• वर्तमान के कार्य-व्यवहार में इस शिवीर का
बहुत बड़ा प्रभाव पड़ेगा। जैसे मैं किसी को समझा
पाता हुँ। जो प्रोत्साहन तो मुझे मिली थी लेकिन प्रभाव
इसी जीवन विद्या शिवीर का पड़ेगा।

(९)• यह शिवीर देश के हर कोने-कोने पर होना चाहिए
जहाँ समाज में एकता, प्रेम, सत्य, आपस
में बने रहे।